ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:13.09.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-09-13 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	14/09/2024	15/09/2024	16/09/2024	17/09/2024	18/09/2024
वर्षा (मीमी)	80	40	35	35	35
अधिकतम तापमान(से.)	17	18	19	20	20
न्यूनतम तापमान(से.)	15	14	15	15	15
अधिकतम सापेक्षिकआर्द्रता(%)	90	95	95	95	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	35	35
हवा की गति (किमी प्रतिघंटा)	6	6	7	6	5
पवन दिशा (डिग्री)	140	340	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	7	7	7

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 13-17 सितंबर के बीच 35-80 मिमी की हल्की से मध्यम वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 17.0-20.0oC और 14.0-15.0oC के बीच रहने का अनुमान है। हवा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-उत्तर-पश्चिम से 5-7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 13 सितंबर को अधिकांश स्थानों पर और 14 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 13 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी से बेहद भारी वर्षा/बिजली के साथ आंधी/बहुत तीव्र से बेहद तीव्र बारिश की घटना के संबंध में लाल चेतावनी दी गई है। 14 सितंबर को भारी वर्षा के साथ इसी तरह की घटनाओं के बारे में पीली चेतावनी दी गई है और 15-17 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बिजली के साथ आंधी/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश की घटना के लिए पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैंऔर गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 13.09.2024 से 19.09.2024 के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार 13-17 सितंबर तक हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है, जिसके लिए लाल और पीली चेतावनी दी गई है, इसलिए उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और रोग/कीटों के छिड़काव का कार्यक्रम तदनुसार बनाया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
धान	पैनिकल आरंभ	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखना चाहिए और वर्षा की स्थिति में किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए। खेती की गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मक्का	वानस्पतिक	पानी के ठहराव और सिंचाई के उपयोग से बचना चाहिए। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखना चाहिए।
रागी	पैनिकल आरंभ	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखना चाहिए और वर्षा की स्थिति में किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए। खेती की गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	वानस्पतिक	रासायनिक छिड़काव से बचें और खेत में पानी का ठहराव न होने दें। उचित जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
सोयाबीन	पुष्पन/फली निर्माण	रासायनिक छिड़काव से बचें और खेत में पानी का ठहराव न होने दें। उचित जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
मूंग/ उर्द	वानस्पतिक	रासायनिक छिड़काव से बचें और खेत में पानी का ठहराव न होने दें। उचित जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
मूली	बुवाई	पूर्वानुमानित मौसम के तहत फसल की बुवाई से बचना चाहिए और पहले से बोई गई फसल में उचित जल निकासी बनाए रखना चाहिए।
मिर्च	परिपक्वता/कटाई	पकी हुई फसल की कटाई कर लेनी चाहिए। खड़ी फसल में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए और किसी भी तरह के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
आलू	बुवाई	पूर्वानुमानित मौसम के तहत फसल की बुवाई से बचना चाहिए और पहले से बोई गई फसल में उचित जल निकासी बनाए रखना चाहिए।
आलू सेम/बकला	बुवाई	पूर्वानुमानित मौसम के तहत फसल की बुवाई से बचना चाहिए और पहले से बोई गई फसल में उचित जल निकासी बनाए रखना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछड़ों का दूध छह माह के बाद ही छुड़ाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे तरीके से हो सके। पशुओं को तीव्र वर्षा और तूफान से बचाया जाना चाहिए।
भैंस	'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए खुरों को 10% फार्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में सुबह-शाम 2-3 मिनट के लिए कम से कम 3 दिन तक डुबोकर रखना चाहिए। पशुओं को तीव्र वर्षा और तूफान से बचाया जाना चाहिए।
बकरी	ग्रामीण क्षेत्रों में भेड़-बकरियों को एक माह पर टेटनस टॉक्साइड के 2 टीके तथा 5 माह पर दूसरा टीका लगाया जाना चाहिए, ताकि नवजात मेमनों को टेटनस रोग न हो। पशुओं को तीव्र वर्षा और

	तूफान से बचाया जाना चाहिए।